Leaflet Details

CIR-210013/2022-Chlorimuron Ethyl (WP) (440)-20
Chlorimuron Ethyl 25% WP (Indigenous Manufacture)
(Herbicide)

Chlorimuron Ethyl is an early post-emergence herbicide belonging to the chemical family of Sulfonyl Urea herbicide. Chlorimuron Ethyl controls broad leaf weeds and sedges with a wide selectively and broad spectrum activily in Soyabean and Transplanted Rice crops.

Recommendation

Crop(s)	Common Name of Pest	Dosage/HA		Dilution in Water (Litr)	Waiting Period between last spray to harvest (days)	Re-entry after each Application (In Hours)
		AI (gm)	Formulation (gm)			
Rice (Transplanted)	Echinochloa crusgalli, Eclipta alba, Commelina benghalensis, Chenopodium album, Cyperus rotundus	6	24	500-600	60	
RICE (Transplanted)	Echinochloa crusgalli	6	24	500-600	60	
	Eclipta alba					
	Commelina benghalensis					
	Chenopodium album					
	Cyperus rotundus					
Soyabean	Phyllanthus niruri, Celosia argentia, Cyperus rotundus, Digera arvensis, Cucumis trigonus, Cyperus iria, Parthenium hysterophorus, Acalypha indica, Trianthema portulacastrum, Commelina benghalensis, Caesulia axillaris	9	36	300	45	
SOYABEAN	Celosia argentia	9	36	300	45	
	Cyperus rotundus, Digera arvensis, Cucumis trigonus, Cyperus iria					
	Parthenium hysterophorus					
	Acalypha indica, Trianthema portulacastrum					
	Commelina benghalensis, Caesulia axillaris					

Direction Of Use

FOR USE IN SOYBEAN CROP: Use of Iso-octyl Phenoxyl-Polo xethanol 12.5% (Non-ionic surfactant) is approved @ 0.2% with chlorimuron ethyl 25% WP in soybean crop only, however its use has not approved in rice crop. Plant Protection Equipment : Knapsack sprayer fitted with flat fan / flood jet nozzle. Spray tank clean out : 1. Thoroughly clean all mixing and spray equipment immidiately following application by rinsing outside, inside of all the tank with clean water and ammonia to give 1% solution. Agetate for 15 minutes after adding water to fill tank completely. Again rins with

clean water. 2. Tank rinsate should be disposed off in a safe manner to prevent environment and water pollution. Drift management :- Extreme care should be taken to avoid damage by drift into broad leaves plants out side the target area or onto water sources. Mode of action: ALS inhibitor Method of Application: - As spray suspension in 500-600 lit water per hectare.

Time of Application

Soyabean : 3-10 DAS (Days after sowing) (once) Rice : 5-10 DAT (Days after transplanting) (once)

Precautions

1. Keep away from foodstuffs, empty foodstuff containers and animals food.

2. Avoid contact with mouth, eyes and skin.

3. Avoid inhalation the spray mist. Spray in the direction of wind. 4 . Wash thoroughly the contaminated clothes and parts of the body after spraying.

5. Do not smoke, drink, eat and chew anything while spraying. 6. Wear full protective clothing while mixing and spraying.

Symptoms Of Poisoning

Tearing or blurring of vision, eye and skin irritation with discomfort or rash.

First Aid

1. If swallowed, induce vomiting by tickling the back of throat. Repeat it until the vomitus is clear. Do not induce vomiting if the patient is unconscious.

2. If clothing and skin are contaminated, remove the cloths and wash the contaminate skin with copious amount of soap and water.

3. If eyes are contaiminated, flush with plenty of saline/clean water for about 10 to 15 minutes.

4. If inhaled, remove the patient to fresh air.

Phytotoxicity

Antidote

No specific antidote is known. Treat symptomatically.

Disposal Of Used Container

1 It shall be the duty of manufacturers formulators of herbicide and operator to dispose packages or surplus materials and washings from the machine and container shall be disposed off in a safe manner so as to prevent environmental and water. pollution. 2 The used packages shall not be left outside to prevent their re-use. 3 Packages shall be broken and burried away from habitation.

Storage Conditions

1. The packages containing the herbicide shall be stored in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles or shall be kept in separate almirah under lock and key depending upon the quantity and nature of the herbicide 2. The rooms or premises meant for storing the herbicides shall be well built, dry, well-lit, ventilated and of sufficient dimensions to avoid contamination with vapours

Chemical Composition

S.No	Ingredient	Description	Weight
1	Chlorimuron Ethyl a.i		25.00 % w/w
2	Emulsifier: Sodium Lauryl Sulfate		0.50 % w/w
3	Dispersing Agent: A mixture of Napthalene sulfonate formaldehyde polymer		3.00 % w/w
4	Ambittering Agent: Sucrose octacetate		0.50 % w/w
5	Diluent: sucrose		34.00 % w/w
6	Diluent: Barden Clay (Kaolin)		QS % w/w
		Total	100 % w/w

Manufactured By

M/s Toshi Insecticides India

Gaushala Road, Near Cooler Factory, Geeta House, Karnal

Manufacturer Premises Address

Meerut Road, Village Andhera, District-Karnal, Haryana-132001

पत्रक विवरण

CIR-210013/2022-Chlorimuron Ethyl (WP) (440)-20

क्लोरिम्यूरोन ईथाइल 25 प्रतिशत धुलनशील चूर्ण

(खरपतवारनाशक)

क्लोरिम्यूरीन ईथाइल धान उगने के तुरन्त बाद नाश करने वाला खरपतवार नाशक है जो कि सल्फोनाईल यूरिया खरपतवार नाशी के कैमकिल परिवार का रसायन हैं। क्लोरिम्यूरीन ईथाइल सोयाबीन और रोपित धान की फसलों में उगने वाले चौडे पत्तो के खरपतवारों और अन्य खरपतवारों की रोकथाम करता है साथ ही, इसमें विविध- विशाल तथा बहुआयामी तरीके से चुनिंदा असर करने की विशिष्ट क्षमता भी है।

उपयोग

फ़सल	कीट के नाम	प्रति हैक्टेयर मात्रा		पानी की मात्रा	अन्तिम छिडकाव तथा फसल काटने के बीच अन्तराल	पुन: प्रवेश की अवधि प्रत्येक छिड़काव के बाद (घंटे)
		स. तत्व	संरचना			
धान	कनकौआ, मोंथा, स्वांक, सफेद बूटी, चीला, छोटा स्वांक	6	24	500-600	60	
सोयाबीन	हज़ार दाना, मोंथा, छतरी वाला मोंथा, कनकौआ, मयूर, शिख, लहसुनिया, इंद्रायन, अपरागी, खोकली, पत्थरचटा, सिसुलिया	9	36	300	45	

उपयोग के लिए दिशा-निर्देश

नान आयोनिक सर्फैक्टेन्टः आइसो-ओक्टाइल फिनाक्सिल-पोलोजिथानोल 12.5 प्रतिशत सर्फेक्टैन्ट की संस्तुति 0.2 प्रतीशत की दर से उपरोक्त खरपतवार नाशक के साथ केवल सोयाबीन की फसल में की जाती है। यह नोन- आयोनिक सर्फैक्टेन्ट धान की फसल के लिए संस्तुत नहीं है। छिडकाव यंत्रः नैपसेक स्प्रयेर जिसमे फलैट फेन या फलड जेट नोज़ल लगा हो। छिडकाव टैंक की सफाईः 1. छिड़काव के उपरान्त सभी छिड़काव यंत्र व घोलने के टैंक को अंदर व बाहर सें पानी से तुरंत साफ करें एंव धोवन को निकाल दें। दुबारा साफ पानी भर कर अमोनिया का 1% वितयन बनायें तथा 15 मिनट तक खंगालें । फिर से पानी में धोयें। 2. सारी धोवन को एकत्र कर सावधानी सें निपटान करें जिससे पर्यावरण व जल का प्रदूषण न हो। क्रिया विधिः यह ए.एल.एस. को प्रतिरोधित करता है। क्रिया नियंत्रणः ड्रिफ्ट के द्वारा चौडे पत्ते वाले पौधे जो छिडकाव क्षेत्र के पास हो उन्हे बचाने के लिए समुचित सावधानी रखनी चाहिए। साथ ही पानी के स्त्रोत का भी ध्यान रखना है। प्रयोग विधिः छिडकाव 500-600 ली पानी में प्रति हैक्टेयर।

प्रयोग का समय

सोयाबीनः बुवाई के 3-10 दिन बाद, एक बार धानः रोपण के 5-10 दिन बाद, एक बार

<u>प्रयोगकर्ताओं के लिए सावधानियां</u>

1. खाघसामग्री, खाघ सामग्री, के खाली बर्तनों और पशुओं के चारे से दूर रखें ।

2. मुंह, आँखो, त्वचा को सम्पर्क से बचाये।

3. छिडकाव की वाष्प को सांस द्वारा अन्दर जाने से बचाये। हवा की दिशा मे छिड़काव करे।

4. छिडकाव के बाद दूषित कपड़ो और शरीर के अंगो को अच्छी तरह धोएं।

5. छिड़काव के समय धुम्रपान, खाना, पीना और कुछ चबाना नही चाहिए।

6. छिड़काव करते या मिलाते समय पूर्ण सुरक्षात्मक कपड़े पहने।

<u>विष के लक्षण</u>

आंसू आना व धुंधला दिखना, आँखों और त्वचा पर खुजली व परेशानी हो सकती है।

<u>प्राथमिक चिकित्सा</u>

(1) यदि निगल जाये तो गले के पीछे गुदगुदी करके उलटी कराए । यह क्रिया तब तक दोहराते रहे जब तक उलटी दारा निकला पदार्थ साफ न हो जाए । यदि मरीज बेहोश हो तो उलटी न करायें।

(2) यदि कपडे और त्वचा दूषित हो जाए तो दूषित कपडों को उतार दे दूषित त्वचा को काफी मात्रा में साबुन और पानी से धोएं ।

(3) यदि आँखे दूषित हो जाए तो उनको काफी मात्रा में सैलाइन/साफ पानी में लगभग 10-15 मिनट तक धोएं ।

(4) यदि सांस दारा अन्दर गया हो तो रोगी को शुद हवा में ला जाये।

<u>पौधविशाक्तता</u>

<u>विष नाशक</u>

कोई विशिष्ट विषनाशक नही हैं। लक्षणानुसार इलाज करें।

<u>खाली डिब्बों का निपटारा</u>

1. खरपतवार नाशक के डिब्बों को अलग- अलग ऐसे कमरों या आलमारियों से जिनमें अन्य वस्तए विशेषकर खाघ पदार्थ या पशु आहार संग्रहित किए जाते है से दूर अन्य कमरों से दूर अलग- अलग कमरों या आलमारियों में ताला चाबी में बंद रखे।

2. जिस कमरे अथवा आलमारियों में खरपतवार नाशक का भण्डारण करना हो 1. खरपतवार नाशक निर्माताओं या उपयोग कर्ता का कर्तव्य है कि डिब्बों या पात्रों को तोडफोडकर आबादी से दूर जमीन में गाड देना चाहिए।

2.प्रयोग किये गये डिब्बों को दुबारा प्रयोग के लिये बाहर खुला न छोडें ।

3. डिब्बों या बची हुई खरपतवार नाशक या धोवन का निपटारा इस प्रकार कि करें कि जिससे आसपास की चीजें, पीने का पानी विषैला न हो।

संग्रहण की शर्ते

1. खरपतवार नाशक के डिब्बों को अलग- अलग ऐसे कमरों या आलमारियों से जिनमें अन्य वस्तए विशेषकर खाघ पदार्थ या पशु आहार संग्रहित किए जाते है से दूर अन्य कमरों से दूर अलग- अलग कमरों या आलमारियों में ताला चाबी में बंद रखे।

2. जिस कमरे अथवा आलमारियों में खरपतवार नाशक का भण्डारण करना हो वह अच्छी तरह बना हुआ, सूखा, ठंडा, प्रकाश युक्त, हवादार व पर्याप्त लम्बा चौडा होना चाहिए जिससे कि खरपतवार नाशक के भाप से वातावरण प्रदूषण होने का डर न

रासायनिक संरचना

क्रमांक	घटक	विवरण	वज़न
1	क्लोरिम्यूरोन ईथाइल स.त.		25.00 % भार/भार
2	इमल्सीफायर: सोडियम लोराइल सल्फेट		0.50 % भार/भार
3	डिस्पर्सिंग एजेंट: नेफथलीन स्लफोनेट फोर्माल्डिहाइड पोलिमर सोडियम साल्ट		3.00 % भार/भार
4	एम्बीटरिंग एजेंट: सुकरोस औक्टाएसिटेट		0.50 % भार/भार
5	डायलूऐंट: सुकरोस		34.00 % भार/भार
6	डायलूऐंट: बार्डन क्ले (काओलिन)		पर्याप्त मात्रा % भार/भार
		कुल	100 %

निर्माता

अंग्रेजी मे लिखे अनुसार

उत्पादन परिसर

अंग्रेजी मे लिखे अनुसार

Digitally signed by SANJAY ARYA
Date: 2022.10.03 13:06:01
Location: CIB&RC,NH4,CGO Complex,Faridabad.
Designation: Secretary (CIB&RC)